

विचार बिन्दु

निरंतर विकास जीवन का एक नियम है। और जो भी व्यक्ति खुद को सही दिखाने के लिए अपनी रुद्धिविदिता को बरकरार रखने की कोशिश करता है वो खुद को एक गलत स्थिति में पंहुचा देता है। -महात्मा गांधी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता: हम इसे मनुष्य का विकल्प न बन जाने दें!

मा

नव जीवन का इतिहास अनिवार्य नई सुविधाओं और तकनीकों के विकास का भी इतिहास है। आग और पहिये से लगाकर डिजिटल दुनिया तक की यात्रा बहुत रोमांचक और उत्तेजक रही है। जब भी कोई नई सुविधा हमारे हाथों में आती है, हम यही सोचते हैं कि इस सुविधा के बारे हम जी कैसे रहे थे। यही देखें कि जैसे-जैसे हमारी ज़िंदगी में कृत्रिम और इण्डरेट का हातक्षेप और सहयोग बढ़ा है, हम बार-बार यह सोचते को मजबूर होते हैं कि इनके बारे हम कैसे रहे थे! आज जिस दृष्टि गति से हम बैंकों से आदान-प्रदान कर लेते हैं तब उस दृष्टि गति की आज से बीस-बीस बरस पहले कल्पना भी संभव नहीं थी। इटरनेट और गूगल ने हमारी क्षमताओं और जानकारी को जो एक नई-सी लगानी बाली दुनिया रच दी है उसने हमारी क्षमताओं को कई जुन बढ़ा दिया है। इसी क्रम को ज़रीर रखते हुए हाल में हमने एक और नई सुविधा हासिल कर ली है, जिसका नाम है कृत्रिम बुद्धिमत्ता, संकेत में एर्वाई कुछ समय पहले तक हम हमारी हस्तस्या का समाधान गूगल में खोजते थे, आज वह काम यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता अधिक दक्षता से सक्ष कर रही है, जहां तक उद्योग और व्यापार को संबंधित, उपायर बनाने में तथा ग्राहक सेवा के बहार बनाने में तथा डेटा विशेषण में इसकी उपयोगिता असंदिग्ध है। साइबर सुविधा के क्षेत्र में ही नहीं सार्वजनिक क्रियाकारी अपना सिवाया है। इस सेवे अपनतपूर्व उत्साह से कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अपना लिया है और जीवन के बहुत सारे क्षेत्रों में खुलकर इसका उपयोग करने लगे हैं। विज्ञान, विज्ञानिक, व्यापार, वित्त, शिक्षा, कला-संस्कृति आदि सभी क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग

निर्णय बढ़ावा जा रहा है। चिकित्सा की उपयोग में रोगों के पूर्वानुमान, उनके सही निदान और रोगोंकी संजीवी जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की जितनी उपायता अब तक प्रमाणित हुई है उत्तरी ही इसकी उपायता शिक्षा के क्षेत्र में भी नजर आती है। शिक्षा की प्रभावोत्पादकता को बढ़ाने में और तटस्थ तथा निषेचन मूल्यांकन करने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की उपायता अब सर्व स्त्रीकृत है। जहां तक उद्योग और व्यापार को संबंधित, उपायर बनाने में तथा ग्राहक सेवा के बहार बनाने में तथा डेटा विशेषण में इसकी उपयोगिता असंदिग्ध है। साइबर सुविधा के क्षेत्र में ही नहीं अन्याय विधिक्रम के अपने नीति भूमिका अब तक बहुत अच्छी तरफ निबाहते हुए यह आग जारी है कि इसकी उपयोग से हमारा जीवन अधिक सुरक्षित हो जाए।

लोकन जैसा हर सुविधा के साथ होता है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर भी अनेक सवाल उठाने लगे हैं और आग अवश्यक है कि जैसे-जैसे इसका उपयोग बढ़ेगा, ये सवाल और अधिक प्रासारिक और अनिवार्य होते जाएंगे। सार्वजनिक सेवा के बहार बनाने को ज़रूरत पड़ती है जब उसने गूगल को छोड़कर चैटीपारी जैसे माध्यम को अपना लिया है। इस सेवे अपनतपूर्व उत्साह से कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अपना लिया है और जीवन के बहुत सारे क्षेत्रों में खुलकर इसका उपयोग करने लगे हैं। विज्ञान, विज्ञानिक, व्यापार, वित्त, शिक्षा, कला-संस्कृति आदि सभी क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग

अब तक जो हुआ है उसके आधार पर यह

सहज ही कल्पना की जा सकती है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग अभी और बढ़ेगा। और जब इसका अधिक उपयोग होगा

होगा तो स्वाभाविक ही है कि इसके दुरुपयोग की आशंकाएं भी बढ़ेगी। मानवता का हित इसी बात में निहित है कि हम अभी से उन आशंकाओं को समूल नष्ट करने के बारे में न केवल

सोचें, सक्रिय भी हों।

नज़रिये की उपेक्षा कर सकें। इस तरह आगर सब कुछ इसके पास डेटा का बहुत बड़ा घटारा के विचारणीय और अधिक उपयोग हो सकते हैं। यह बहुत बड़ा खतरा है। इससे एक बड़ा सवाल यह उपजता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से कोई नया लोगों की आजीविका छिन जाएगी। वैसे यह खतरा कोई नया नहीं है। जब स्वचालन हमारी ज़िंदगी में आया वह बहुत बाद में जब हमने अपने बहुत सारे काम कंट्रूट को सौंप दिये तब भी बोरोज़ारी को मुझ बहुत महत्वपूर्ण रहा था। लोकन अहिस्ता-आहिस्ता-आहिस्ता-आहिस्ता को अपना लिया है और अपने अधिक उपयोग से कल्पना द्वारा बदलावों के बहुत सारे लोगों का रोजगार भी बढ़ा रहा है। लोकन उसमें उनकी अपनी निश्चियता और ज़ड़ता की भी बड़ी भूमिका रही है। इसी भूमिका के साथ बहुत बाद में अपने अधिक उपयोग के बारे में जैसे-जैसे इसके उपयोग में आया वह बहुत बाद में जब हमने अपने बहुत सारे काम कंट्रूट को सौंप दिये तब भी बोरोज़ारी को मुझ बहुत महत्वपूर्ण रहा है। लोकन अहिस्ता-आहिस्ता-आहिस्ता को अपना लिया है और जीवन के बहुत सारे क्षेत्रों में खुलकर इसका उपयोग करने लगे हैं।

जैसे-जैसे इस सुविधा के आधार पर काम करता है, उस सुविधा के आधार पर काम करता है। इसी तरह आगर सब कुछ इसके पास डेटा का बहुत बड़ा घटारा के विचारणीय और अधिक उपयोग हो सकते हैं। यह बहुत बड़ा खतरा है। बोरोज़ीकी जीवन के हर क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग किया जाएगा। जैसे-जैसे इसके उपयोग में आया वह बहुत बाद में जब हमने अपने बहुत सारे काम कंट्रूट को सौंप दिया है तब भी बोरोज़ारी को महत्वपूर्ण रहा है। लोकन अहिस्ता-आहिस्ता-आहिस्ता को अपना लिया है और अपने अधिक उपयोग से कल्पना द्वारा बदलावों के बहुत सारे लोगों का रोजगार भी बढ़ा रहा है। लोकन उसमें उनकी अपनी निश्चियता और ज़ड़ता की भी बड़ी भूमिका रही है। इसी भूमिका के साथ बहुत बाद में अपने अधिक उपयोग के बारे में जैसे-जैसे इसके उपयोग में आया वह बहुत बाद में जब हमने अपने बहुत सारे काम कंट्रूट को सौंप दिया है तब भी बोरोज़ारी को मुझ बहुत महत्वपूर्ण रहा है। लोकन अहिस्ता-आहिस्ता-आहिस्ता को अपना लिया है और अपने अधिक उपयोग से कल्पना द्वारा बदलावों के बहुत सारे लोगों का रोजगार भी बढ़ा रहा है। लोकन उसमें उनकी अपनी निश्चियता और ज़ड़ता की भी बड़ी भूमिका रही है। इसी भूमिका के साथ बहुत बाद में अपने अधिक उपयोग के बारे में जैसे-जैसे इसके उपयोग में आया वह बहुत बाद में जब हमने अपने बहुत सारे काम कंट्रूट को सौंप दिया है तब भी बोरोज़ारी को मुझ बहुत महत्वपूर्ण रहा है। लोकन अहिस्ता-आहिस्ता-आहिस्ता को अपना लिया है और अपने अधिक उपयोग से कल्पना द्वारा बदलावों के बहुत सारे लोगों का रोजगार भी बढ़ा रहा है। लोकन उसमें उनकी अपनी निश्चियता और ज़ड़ता की भी बड़ी भूमिका रही है। इसी भूमिका के साथ बहुत बाद में अपने अधिक उपयोग के बारे में जैसे-जैसे इसके उपयोग में आया वह बहुत बाद में जब हमने अपने बहुत सारे काम कंट्रूट को सौंप दिया है तब भी बोरोज़ारी को मुझ बहुत महत्वपूर्ण रहा है। लोकन अहिस्ता-आहिस्ता-आहिस्ता को अपना लिया है और अपने अधिक उपयोग से कल्पना द्वारा बदलावों के बहुत सारे लोगों का रोजगार भी बढ़ा रहा है। लोकन उसमें उनकी अपनी निश्चियता और ज़ड़ता की भी बड़ी भूमिका रही है। इसी भूमिका के साथ बहुत बाद में अपने अधिक उपयोग के बारे में जैसे-जैसे इसके उपयोग में आया वह बहुत बाद में जब हमने अपने बहुत सारे काम कंट्रूट को सौंप दिया है तब भी बोरोज़ारी को मुझ बहुत महत्वपूर्ण रहा है। लोकन अहिस्ता-आहिस्ता-आहिस्ता को अपना लिया है और अपने अधिक उपयोग से कल्पना द्वारा बदलावों के बहुत सारे लोगों का रोजगार भी बढ़ा रहा है। लोकन उसमें उनकी अपनी निश्चियता और ज़ड़ता की भी बड़ी भूमिका रही है। इसी भूमिका के साथ बहुत बाद में अपने अधिक उपयोग के बारे में जैसे-जैसे इसके उपयोग में आया वह बहुत बाद में जब हमने अपने बहुत सारे काम कंट्रूट को सौंप दिया है तब भी बोरोज़ारी को मुझ बहुत महत्वपूर्ण रहा है। लोकन अहिस्ता-आहिस्ता-आहिस्ता को अपना लिया है और अपने अधिक उपयोग से कल्पना द्वारा बदलावों के बहुत सारे लोगों का रोजगार भी बढ़ा रहा है। लोकन उसमें उनकी अपनी निश्चियता और ज़ड़ता की भी बड़ी भूमिका रही है। इसी भूमिका के साथ बहुत बाद में अपने अधिक उपयोग के बारे में जैसे-जैसे इसके उपयोग में आया वह बहुत बाद में जब हमने अपने बहुत सारे काम कंट्रूट को सौंप दिया है तब भी बोरोज़ारी को मुझ बहुत महत्वपूर्ण रहा है। लोकन अहिस्ता-आहिस्ता-आहिस्ता को अपना लिया है और अपने अधिक उपयोग से कल्पना द्वारा बदलावों के बहुत सारे लोगों का रोजगार भी बढ़ा रहा है। लोकन उसमें उनकी अपनी निश्चियता और ज़ड़ता की भी बड़ी भूमिका रही है। इसी भूमिका के साथ बहुत बाद में अपने अधिक उपयोग के बारे में जैसे-जैसे इसके उपयोग में आया वह बहुत बाद में जब हमने अपने बहुत सारे काम कंट्रूट को सौंप दिया है तब भी बोरोज़ारी को मुझ बहुत महत्वपूर्ण रहा है। लोकन अहिस्ता-आहिस्ता-आहिस्ता को अपना लिया है और अपने अधिक उपयोग से कल्पना द्वारा बदलावों के बहुत सारे लोगों का रोजगार भी बढ़ा रहा है। लोकन उसमें उनकी अपनी निश्चियता और ज़ड़ता की भी बड़ी भूमिका रही है। इसी भूमिका के साथ बहुत बाद में अपने अधिक उपयोग के बारे में जैसे-जैसे इसके उपयोग में आ

